

05834

**POST GRADUATE DIPLOMA IN
INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/
MASTER OF COMMERCE**

Term-End Examination

December, 2016

**IBO-004 : EXPORT - IMPORT
PROCEDURES AND DOCUMENTATION**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Weightage : 70%

Note : Answer both the Part - A and Part - B.

PART - A

1. Comment on **any four** of the following : **4x5=20**
- (a) Trade policy is an instrument of economic policy which aims to promote economic growth with stability in the country.
 - (b) Reserve Bank of India, through its exchange control regulations, regulate terms of payment in export business.
 - (c) Export-Import Bank complements rather than compete with commercial banks in extending credit to exporters.
 - (d) Exports, though profitable, is a highly risky and complex business.
 - (e) Export promotion programmes aim at expansion of production base for exports.
 - (f) Bill of Entry in import trade serves the same purpose as shipping Bill in exports.

PART - B

Answer **any four** of the following questions :

2. The broad objective of the Foreign Trade Policy is to promote exports from India. What measures under the policy have been undertaken in recent years ? Give a detailed account of some of these measures undertaken in recent years. **20**
3. Discuss the merits of arbitration as a method of dispute settlement. Is there any law for enforcement of foreign awards in India ? Discuss its major provisions and procedure for enforcement of awards. **10+10**
4. What are the major commercial documents ? Give a detailed description of shipping bill and commercial invoice. **5+15**
5. What is involved in financing imports ? Discuss the various methods of financing available to importers. Are there any RBI regulations on this subject ? **5+15**
6. What are the different stages of clearance of export cargo ? Discuss the procedures and documentation involved. **10+10**
7. Write short notes on **any two** of the following : **10+10**
 - (a) Simplified Export Documents
 - (b) Institute Cargo Clause
 - (c) ECGC Financial Guarantees
 - (d) Value Added Network Services (VANS)

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर
डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2016

आई.बी.ओ.-004 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

कुल का : 70%

नोट : खण्ड-क तथा खण्ड-ख दोनों कीजिए।

खण्ड - क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार की समालोचना कीजिए : $4 \times 5 = 20$
- व्यापार नीति, आर्थिक नीति का ही एक उपकरण है जिसका उद्देश्य देश में स्थिरता के साथ आर्थिक विकास का प्रवर्तन करना है।
 - भारतीय रिजर्व बैंक अपने विनिमय नियंत्रण नियमन द्वारा, निर्यात व्यापार में भुगतान की शर्तों को विनियमित करता है।
 - EXIM बैंक, निर्यातकों को साख प्रदान करने में, व्यापारिक बैंकों के साथ प्रतियोगिता करने की बजाय उसके पूरक का कार्य करता है।
 - निर्यात, यद्यपि लाभदायक हैं, परन्तु वे अति जोखिमपूर्ण एवं जटिल होते हैं।
 - निर्यात संवर्धन कार्यक्रम निर्यात के लिए उत्पादन आधार के विस्तारण का लक्ष्य रखते हैं।
 - आगमपत्र (Bill of Entry), आयात व्यापार में उसी उद्देश्य को पूरा करता है जोकि निर्यात व्यापार में एक पोत परिवहन बिल करता है।

खण्ड - ख

निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

2. विदेश व्यापार नीति का मुख्य उद्देश्य भारतीय निर्यात का संवर्धन करना है। इस नीति के अंतर्गत, हाल के वर्षों में क्या उपाय अपनाए गए हैं? इन उपायों में से कुछ का विस्तृत वर्णन कीजिए। 20
3. विवाद निपटान की एक पद्धति के रूप में विवाचन (arbitration) के गुणों की व्याख्या कीजिए। क्या भारत में विदेशी पुरस्कारों को लागू करने का कोई विधान है? इसके मुख्य प्रावधानों तथा पुरस्कारों को लागू करने की कार्यविधि का विवेचन कीजिए। 10+10
4. मुख्य व्यापारिक प्रलेख कौन-से हैं? जहाजी (शिपिंग) बिल तथा व्यापारिक बीजक का विस्तृत वर्णन कीजिए। 5+15
5. आयात वित्तीयन में क्या निहित है? आयातकर्ताओं के वित्तीयन की विभिन्न विधियों की व्याख्या कीजिए। इस विषय पर क्या कोई आर.बी.आई. नियमन हैं? 5+15
6. निर्यात माल की निकासी के विभिन्न चरण क्या हैं? इन में निहित प्रलेखीकरण तथा कार्यविधियों की व्याख्या कीजिए। 10+10
7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10+10
 - (a) सरलीकृत निर्यात प्रलेख
 - (b) इंस्टीट्यूट जहाजी वाक्यांश
 - (c) ECGC की वित्तीय गारंटियाँ
 - (d) अतिरिक्त मूल्य नेटवर्क सेवाएँ (VANS)